



भारत का राजगान

The Gazette of India

K
19.3.84

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3]
No. 3]

नई विल्ली, शनिवार, जनवरी 21, 1984/माघ 1, 1905
NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 21, 1984/MAGHA 1, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

आयकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] की धारा 269A [1] के

अंतिम अधिसूचनाएँ

कानून, 16 जनवरी, 1984

निवेदन नं. ६०७/८२ :—मैं, मुझे, पी. एन. प्राथक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पाषाणत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269A के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को
यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर ममता, जिसका उचित
शाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. 11076 है तथा
जो गहारनपुर में स्थित है (और इससे उत्तरद्वारा अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महाराजनपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
11-4-83 को पूर्वोत्तम ममता के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के नियंत्रणित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का
कारण है कि यथावृत्ति सामान का उचित वाजार मूल्य, उत्तरद्वारा दृष्टमान
प्रतिफल नहीं, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पक्षद्वारा प्रतिशत से अधिक है और
प्रतिफल (प्रतिफलों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीय) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तब यहां यहां प्रतिफल, जिसनिवित उद्देश्यों में यह अन्तरण
निवित में वातावरिक रूप से ऊपरित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
दृष्टिक्षेत्र में कर्मी करने या उसमें अवैद्यता में सुविधा के लिए;
और/या

(छ) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अब, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269A की उत्तराधारा (1) के अधीन, निम्न-
लिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

1. श्री इन्द्रजीत सिंह मच्छेव, सुपुत्र कृत्वात् मित्र सचिव, नियासी—
छत्तीसगढ़ी कालीनी, महाराजनपुर (प्रत्यरक)

2. श्रीमती डॉ. राधानी मिशनानी, पर्वती डॉ. मनीष कुमार
मिशनानी, अम्बाला रोड, सहारनपुर (प्रत्यरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम ममनि ने ग्रंथन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करना है। उस सम्पन्नि के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी अधिकारीः—

- (क) इस सूचना के ग्रंथपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या ग्रंथपत्रीय अक्रियाओं पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियाँ ने में किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) यह सूचना के ग्रंथपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर ममनि में लिनवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताकरी के गाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वप्नीकरण.—इसपे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2/1368/I द्वा मिल मिशन कम्पाउन्ड,
सहारनपुर।

तारीख: 16/1/84

संहार :

MINISTRY OF FINANCE
(Central Board of Direct Taxes)
Officer of the Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range

Notices under section 269-D(1) of the Income
Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Kanpur, the 16th January, 1984

Ref. No. M-607/82.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 11076 situated at Saharanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 11-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S/Shri Indrejeet Singh Sachdeva, S/o Harbans Singh Sachdeva, R/o Inderpuri Colony, Saharanpur (Transferor).
2. Dr. Smt. Ragni Miglani, W/o Dr. Satish Kumar Miglani, Ambala Road, Saharanpur (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 2/1368/I (Double Storeyed) Mission Compound, Saharanpur.

Dated : 16-1-84

Seal :

निवेदन नं. एम-1334/82-83:—प्रम. मुझे, पी. एन. पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को भारा 269-B के अन्तर्न सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर ममनि, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000 रु. में प्रधिक है और जिसकी सं. 2517 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इसमें उपावड अनुभवी में और पूर्ण स्व

से बहित है), रजिस्ट्रोकर्ट अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरियम की गई है और मुझे यह विषयालय करने का कारण है कि मयामूर्तीं भवन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्वरियम (अन्वरकरों) और अमरिनी (अमरियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए यथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में वक्त अन्वरण, विषयित में वास्तविक स्था में कठिन नहीं किया गया है।

(क) अन्वरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्वरके दायित्व में नहीं करने या उसमें बचने में मुक्तिधा के लिए घोर/गा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या प्रन्दय आमियों की जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्वरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इधाने में मुक्तिधा के लिए।

अतः प्रब उपन अधिनियम को धारा 267A के अनुसरण में, मे उक्त अधिनियम की धारा 267B की उपधारा (1) के प्रधान, निम्नलिखित अविष्यों स्वार्थम्—

1. श्रीमती पुष्पा कुमारी देवी, पत्नी स्वरूपेन्द्र ग्रैंड कामता प्रमाद, निवासी—५ बी. नं. ३८, देहरादून

(अन्वरक)

2. श्रीमती रानी मरोंग देवी, पत्नी राजा हरेन्द्र निह निशायी—१५, बलबार प्लैन्ट्स, दालानथाला, देहरादून।

(अन्वरियों)

3. श्रीमती गरुड देवी अमरिनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)

को यह गृहना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए आवश्यक शुल्क लगाया है। उनके सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के प्रधान, या निम्नान्वयी अविष्यों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी आवश्यक बाद में समाप्त होती हो, के बीचका पृथक्का अविष्यों में से किसी अविष्य के हात।

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताकरी के पात्र विवित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिमापित हैं वहीं प्रयोग होता है जो उन प्रधानमें दिया गया है।

अनुसूची

जमीन . 42 एकड़ वारे मौजा—धर्मगुर, महल कुवर तथा वहादुर मिह, देहरादून।

तारीख: 16-1-81

मोहर.

Ref. M-1334/82-83.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 2517 as per Schedule situated as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 25-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shrimati Pushpa Kumari Devi, w/o Late Major Gen. Kanta Prasad, R/o 8/B, Laxmi Road, Dehradun. Transferor
2. Shrimati Rani Saroj Devi, w/o Raja Harendra Singh, R/o 15, Balbir Avenue Dalanwala, Dehradun. Transferee

**3. Shrimati Saroj Devi, Transferee
(Person in occupation of the property)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 42 acre at Mauja, Dharampur, Mahal Kr. Tegh Bahadur Singh, Dehradun.

Dated : 16-1-84

Seal :

निदेश नं० प्र०-1310/82-83 :—अतः मुझे, पी. एन. पाठक, आम्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-B के अधीन सथान प्राधिकारी को यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1789 है तथा जो मो० ० रामगीड़ा, मथुरा में स्थित है (और इसमें उपावद अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन आरोप्त 15-4-83 को पूर्णोत्तम मध्यस्ति के उत्तिन बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकलन के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विषयाम करने का कारण है कि यथा पूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकलन से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकलन के एवं उत्तिन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरियों (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकलन, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त, अन्तरण, निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी गत या अन्य आस्तियों को जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे अस्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-B के अनुपरां भी से उक्त अधिनियम की धारा 269-B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बैद्य पुरुषोत्तम धारा, पुत्र वा वृजनाल धारा, निवारी—रामगीड़ा द्वारा, शहर—मथुरा

(अन्तरक)

2. श्री श्री नाथ, पुत्र श्री ग्रीष्मप चौबे एवं प्रत्य लाल, निवारी—गांगा, मथुरा

(अन्तरिया)

3. श्री/श्री नाथ (अन्तरियों) (वह अन्तरक, जिसमें ३० अधिकारों में सम्पन्न है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोत्तम मध्यस्ति के अंतर्गत निए कार्यालयों द्वारा करता है। उक्त मध्यस्ति के अंतर्गत के भव्यत्व में कर्ता भी आधिकरण—

(क) इस सूचना के गतिविधि में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या नवमस्वत्त्व की विधि वाली या यूचना वाली आरीत में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाङ किमा। अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहन्साकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधारा ५० के से परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस प्रधारा में दिया गया है।

अनुमूली

एक तिमाला मकान क्षेत्रफल ११०.५० वर्ग मी० पार्स मी० रामगीड़ा गांगा, मथुरा।

नारंग : 16-1-84

मंहर :

Ref. No. M-1310,82-83.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 1789 as per Schedule situated at Mathura as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 15-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Vaidya Purshottam Vyas, S/o Shri Brij Lal Vyas, R/o Ramji Dwara, Mathura.
..... Transferor
2. Shri Shri Nath, S/o Shri Pritam Chauhan and others, R/o Nagla-Paysa, Mathura.
..... Transferee
3. S/Shri —do—
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

One third storeyed house measuring 110.50 sq. mtr. situated at Mohalla, Ramji Dwara, Mathura.

Dated : 16-1-84

निक्षेप संख्या ८८-१३१५/८२-८३ :—यह मुझे, पी. एन. पाठक, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है) की पापा 269-वाले प्रतीक गदा प्राविदलों को यह विवाहगति करने का कारण है कि यहां पर्याप्त नियम उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये में प्रधिक है और जिसमें भी 107.35 है तथा जो 116, गृहटांज ज़र्की, गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), गृहटांज ज़र्की प्राविदलों के कामोलीय, गाजियाबाद में, गर्जस्टारुण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-१-८३ को पूर्वोक्त समातिक श्रिवत बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्त को गई है और सूक्ष्म यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वक यहां समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिकल से, उसे दूष्यमान प्रतिकल के पक्षात् प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अलरक्की) और अन्तरिक्ती (अन्तरिनियमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गदा प्रतिकल, तिमालिकित उद्देश्यों में दूष्य अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से गवित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आग की आपत्ति, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर इन के अन्तरक के शाविष्व में कमी करने या उसमें बनवाने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आमिलों की जिस्तें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उचित अधिनियम की धारा 269-वा के अनुमत्य में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की अपाधार (1) के अधीन, तिमालिकित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पवन कुमार व नरेन्द्र कुमार, पुत्रगण—श्री वेद प्रकाश, निवासी गृहटांज ज़र्की, गाजियाबाद गोगां (गिराव)
2. श्रीमती श्रीना देवी, धनी श्री विवाहगत शरा एवं धनी धनी, निवासी—ग्राम—तेर नगर, मिठानी, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

3. श्रीमती अन्तरिक्ती (जह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में समाति है) को यह सूचता जारी करने पूर्वोक्त समाति के अंतर्गत के लिए।

(प्राप्तिका)

कार्यवाहियों शुल्क करना है। उस सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आदेशः—

(क) इस सूचना के गतिविधि में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या नन्मव्यवहारी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के गतिविधि में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उस व्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंत्रोजन्मानारी के पास विद्युत में तिए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आपका अर्थनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान सम्बन्धी 84 थ 82 का गुडा भाग क्षेत्रका 133 वर्गमीटरों से 116, राईटगंज शर्की, गाजियाबाद में स्थित है।

तारीखः 16-1-84

माहरः :

Ref. No. M-1315/82-83.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at 116, Right Ganj Sharki, as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax

Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Pawan Kumar & Narendra Kumar S/o Sri Ved Prakash, R/o Right-ganj Sharki, Ghaziabad (Rosan Giran). (Transferor)
2. Shrimati Veena Devi, w/o Shri Ghan-shyam Dass and others, R/o village, Ner Nagar, Sihani, Ghaziabad. (Transferee)
3. S/Shri —do— (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

One shop No. 84 and 82 measuring 132 Sq. yds. at No. 116, Rightganj, Sharki, Ghaziabad.

Date : 16-1-84

निवेदन नं. एस-1307/82-- अन्त में प्राप्तपाठक, आपकर अर्थनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अर्थनियम, आहा गया') के धारा 269-B के अर्बन सम्बन्धित को यह विद्युत करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित वाला मूल 25,000 रुपये अधिक है और जिसकी सं. II-भी-5 है तथा जो नेहरूनगर ने स्थित है (और इनसे उत्तरद अनुसूचा में और पूरे रूप में विलिंग है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के अधिनायक गाजियाबाद में, रजिस्ट्रेशन अर्थनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-4-33 का द्वितीय सम्पत्ति के गविन वाला भूमि में उस के दृष्ट्यान्त प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित है और मुझे वह विश्वास

करने का कारण है कि वस्तुवर्तीका मापदंश का उचित वारांग सूची, उसके दृष्टिगत प्रान्तकल से, ऐसे वृत्तमाला प्रतिकरण के प्रत्येक प्रतिलिपि में अधिक है और अन्वयन (अन्वयकों) और अन्वयन (अन्वयियों) के बीच ऐसे अन्वयन के बीच नहीं दाया जा सकता, जिसनियत इन्होंने गृह के अन्वयन में वास्तविक स्थान से उत्तिन नहीं दिया गया है।

(ए) अन्वयन से दूषि किए गए की जावाह शायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वयन काट देते के अन्वयन के अधिकार में कमी करते हो उसके अन्वयन में दूषिया के लिए और / या;

(ब) ऐसे किसी शाय आ किसी गत ना अन्वयियों को जिसे नामांग अधिकार अर्थात् 1922 (1922 का 11) वा अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा प्रत्येक अधिकार अधिकार, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय अन्वयिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिसने में दूषिया के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-वा के अन्वयन में, भूकर अधिनियम का धारा 269-वा को उत्तरांग (1) के अन्वयन नियन्त्रित विविध अवधियों अवश्यक है।

1. श्री मोहिन्दर सूचना पत्र अमर नाथ निं. क्रो. एफ-34
प्रतिवेदन, नाविन्यवाद

2. श्री भीमसेन पत्र आमा राम निं. क्रो. डॉ-३५
प्रतिवेदन, नाविन्यवाद

3. अ. भूमि वेत (वह वासिय, जिसके अधिकारी में गम्भीर है)

का वह गृह जल्द उक्त दूषिक गम्भीर के बजाए के लिए कार्यवहियाँ जूँ करना है। उस गम्भीर के अधिकार के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन ---

(ए) इस सूचना के रात्रि में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नव्यावर्त्ये अधिकारों पर सूचना को लापील में 30 दिन की अवधि तो भी अन्वय वाद में वृत्तमाल होती हो, के भावात् दूरीस्त विविधों में से किसी लाकिन के द्वारा;

(ब) इस सूचना के ग्रजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मात्र में उक्त स्वावर कम्पनी में हितवद किसी अन्य अधिकार अवधिनालय के द्वारा नियन्त्रित में किए जा सकें।

मान्यताकारण - यहां प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो आवाह अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-वा में नियन्त्रित हैं, वहां जैसे ही प्राप्त उन प्रतिलिपिन में दिया गया है।

अन्वयन

वारांग नं. II-म/5 लेटल नाम. नाविन्यवाद

पत्रिका - ५२० ४० वा ३१८

ता. १६-६-१९६४

मोर्त्तम

Ref. No. M-1307/82.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have

reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per schedule situated at _____ as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 15-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

- Shri Mohinder Kumar S/o Amar Nath R/o K. F.-34, Kavi Nagar, Gaziabad.
(Transferor)
- Shri Bhimsen S/o Atma Aam R/o K. D-59, Kavi Nagar, Gaziabad.
(Transferee)
- Shri Bhimsen S/o Shri Atma Ram
(Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. II—C/5 Nehru Nagar, Gaziabad,
Area—479.40 sq. meter.

Date : 16-1-84

Seal :

निवेद नं. म-1314/82 :—अबः मर्जे पी० पत्रक, लालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है) को जो 269-B के अंतर्गत समस्त प्राप्तिकारी को यह विज्ञान करने का कारण है जि. स्थावर गमनि जिपका उचित वार्ता मूल्य 25,000 रु. में अधिक है और तिवारी नं. 10522 हो तथा जो गांधीनगर में स्थित है (और इसे उक्तकड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), अस्तित्वकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में, अस्तित्वकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अंतर्गत वार्ता 22-3-53 को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित वार्ता मूल्य ने कम के दृष्टिकोण प्रतिकर्ता के लिए है और उसे वह विषय करने का कारण है कि पदार्थकर्ता गमनि का उचित वार्ता मूल्य उसके दृष्टिकोण प्रतिकर्ता द्वारा दृष्टिकोण प्रतिकर्ता के गत्रद्वारा गमनि जिपका लिया गया है तथा यह अनुसूची में वर्णित है।

(क) अन्यान ले हुई किये गए के बाबत आदान-अदिनियम, 1931 (1931 का 43) के अंतर्गत हर दोनों दोनों के दृष्टिकोण में वर्णी करने द्वारा उन्होंने वर्तने में सुविधा के लिए अप्रृच्छा,

(ख) देखे किये जाय ताकि वह शा अन्वासिता १। जिसे भारत १। अपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अपकर अधिनियम, 1951 (1951 का 43) वा भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग पर्यंत अनुसूची वार्ता मूल्य प्राप्त ही किया जाय था या किया जाय साहित था, जिसमें से सुविधा के लिए;

अबः अब उक्त अधिनियम की वार्ता 269-B के अनुसर में, मैं उक्त अधिनियम की वार्ता 269-B की तुर वार्ता (1) के अंतर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शोभनाथ शुभ्र श्री द्वारेश निवासी शाम शहजाद, पुर जनानामाद, गांधीनगर, (अन्तर्क)

2. श्री फर्मित गर्भ शुभ्र श्री नरेण श्री निवासी शहजादपुर परगना जामनामाद, जिला गांधीनगर (अन्तर्क्रित)

3. केता केकड़े मेंठे । (यह विवित जिपके अधिनियम में सम्बन्धित है)

को यह सूचना ज.र. करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के अंतर्गत के विवाहिताओं शुल्क देता है।

उक्त सम्बन्धि के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आदेश :—

(३) इस सूचना के वाजपव में ग्राहण को तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्यन्वारी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पूर्ति से

30 दिन की अवधि वाले समान होती है।

४. जो दूसरा के वाजपव में प्राप्ति के 45 दिन के बाद जो व्यक्ति वासियों में से जिसे जिपका कहा जाता है;

५. जो दूसरा के वाजपव में प्राप्ति के 45 दिन के बाद जो व्यक्ति वासियों में से जिसे जिपका कहा जाता है;

६. जो दूसरा के वाजपव में प्राप्ति के 45 दिन के बाद जो व्यक्ति वासियों में से जिसे जिपका कहा जाता है;

अनुसूची

वेदी: वी. डी. नाना शाम शहजादपुर

प्राप्ति: जनानामाद

जिला गांधीनगर

नाम: 16-1-1984

महिना:

Ref. No. M-1314/82.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the

issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Shobh Nath S/o Shri Hardeo, R/o Gram Shahzadpur, Pergana Jalalabad, Distt. Ghaziabad. . . . Transferor
2. Shri Faquira Sharma S/o Sri Ganeshi Sharma, R/o Gram—Shahzadpur, Pergana Jalalabad, Distt. Ghaziabad. . . . Transferee
3. Shri As in 1 above. . . . (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural land at village—Shahzadpur, Pergana Jalalabad, Distt. Ghaziabad.

Date : 16-1-84

Seal :

निवेदा नं. एम-1313/82—ब्रह्म सुसे, पं० १० एन० पाठक, आप्कर अधिनियम, 1961 (1961 का ५१) (जिसे हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विषय करने का कारण है कि स्पालर समन्ति, जिसका उचित वाजां मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. 10102 है तथा जो अदिनपर, गांगियाशहर में स्थित है (और इस से उपरवाह अनुसूची में और पृष्ठ ८७ से लिखा गया है) अस्ट्रेटफर्न अधिकारी के कार्यालय, गांगियाशहर में अस्ट्रेटफर्न अधिकारी के कार्यालय से 16-4-83 का पूर्वोक्त भाग के उचित वाजां मूल्य से कम के बृहदानां प्रतिकल के लिए अनुसूची की ईंट है और उसी यह विषयाम करने का कारण है कि व्यापारियों गमनि का उचित वाजां मूल्य उसके द्वामान प्रतिकल के लिए २५,००० प्रतिकल के पक्षद्वारा प्रतिनिधित्व में अधिक है और अन्तरक (अन्तरियों) और अन्तरिता (अन्तरियों) के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए यह प्रति रुप प्रतिकल विनियिक उद्देश्यों से गुप्त अन्तरण निवेदित में व्यापारियों का से कठिन लगा किया गया है :—

(१) वाजां नं. १०१०२, वायर नं. ३०८, उक्त अधिनियम, नं. ५१ वर्ष १९६१ का वर्तमान वायर विविध में ऐसे उक्ते गये वायर वर्ष में गुविधा के लिए, ओर/वा

(२) ऐसे किसी वायर वर्ष में वायर नं. ३०८, अधिनियम के अन्तर्गत वायर वर्ष १९६१ अधिनियम का वर्तमान अधिनियम, १९५७ (१९५७ का ११) का २७। के प्रयोगवार्ता अधिनियम द्वारा प्रकट नहीं किया गया वायर वर्ष का वायर जाना चाहिए या, जिसमें में गुविधा के लिए।

उक्त उक्त अधिनियम का धारा २५,००० के अन्तर्गत में, वायर वर्ष १९६१ अधिनियम का वायर वर्ष १९५७ का उपचाय (१) के अधीन नियन्त्रित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री मदन गोपाल भाटिया, मुमुक्षु ओंग प्रकाश भाटिया, वै-४/१२८ वायर वर्ष १९५७, नई विलासी (अन्तरक)

२. श्रीमती सुमित्रा बेंदी अरोड़ी वर्षा, वोपनाम अरोड़ा, वै-१०/३५ वडावाल गंज, लखनऊ (रंगावा) (अन्तरित)

३. श्री मदन गोपाल भाटिया (वह अधिकत जिसमें अधिनियम में सम्मति है)

को यह सूचना आरो कर्त्तव्य पूर्वोक्त समन्ति के अंतर्गत के लिए कार्य-वाहियां शुरू करना हूँ। उक्त समन्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी व्यापारी व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वी तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वी तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्पालर समन्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलक्ष्माकारी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे ।

सामीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०क में परिभ्रापित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. के० जी०-४५,

व्यापारी "जी" कविनगर, गांगियाशहर ।

तारिख : १६-१-८४

मोहर :

Ref. No. M-1313/82.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 10102 situated at Ghaziabad and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 16-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the Act to the following persons, namely :—

1. Shri Madan Gopal Bhatia, S/o Om Prakash Bhatia R/o J-8/128, Rajouri Garden, Delhi. (Transferor)
2. Smt. Sumitra Devi Arora, W/o Som Nath Arora, R/o B-10/135, Iqbal Ganj, Ludhiana (Punjab). (Transferee)
3. Shri As in 1. above. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter

XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. K-G/45, Block No. 'G', Kavi Nagar, Ghaziabad.

Date : 16-1-84

Seal :

निवेश नं. एम-1306/82 — मन. मुंगे, पी० पू० फाठक, आपकर शहिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-C के प्रतीक सदम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. में अधिक है और जिसकी स० 9527 है तथा जो रामनगर, गाजियाबाद में स्थित है (श्री इसके उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्थ में वर्णित है), गजटीर्णी अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीरिंग प्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रतीक तारीख 7-4-83 को पूर्वोक्त गवर्नर के उचित बाजार मूल्य से इस के उपयोग प्रतिकल के लिए अन्वेषित की गई है और मूले यह विकास करने का कारण है कि यथावृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपयोग प्रतिकल में, ऐसे उपयोग प्रतिकल के पद्धति प्रतिज्ञन से अंतिम है और अन्वरक (अन्वरकों) श्रीर अन्वरस्ती (अन्वरस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा याप गया प्रतिकल, निम्नान्वित उद्देश्यों से युक्त, प्रभाव, विकास में आमंत्रिक रूप में कठिन नहीं किया गया है—

(क) अन्वरण में हृष्ट किसी आप की वाबन, तथा अधिनियम के अधीन कर देने के बावजूद का दर्दित म करने या उसमें बदले में सवित्रा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आप पा किसी उन या अन्य आधिकारों की जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतावधि प्रत्येकी वारा प्रदृढ़ नहीं किया गया या या किसी जाति वर्गिण द्वा लियाँ ने गुरुग्रंथ के लिए,

मन. अब उक्त अधिनियम दी थाए 269-C के अनुसरण में, मैं उस प्राधिनियम की धारा 269-C की उपयोग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथात् —

1. श्रीमती अलका चौधरी, पर्सी गुजरात मिह, निशाती शरदग, न०. छैर, जिला अस्सीगढ़, न्य नं० ५२१००, रामनगर, गाजियाबाद। (अस्सीगढ़)
2. श्रीमती नीनम कोइ लनी नरेन्द्र मोहन कोइ, निः, ५२१, रामनगर, गाजियाबाद। (अस्सीगढ़)
3. श्रीमती/कुमारी केता के कड़ो मे है (वह अपनि जिसके अधिसूचन में शामिल है)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति ते अज्ञन के लिए कायं-शाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आंशेप —

(क) उक्त सूचना के बालपत्र में प्रकाशित दी जारीत में 45 दिन की अवधि, या तन्मस्वरूपी व्यक्तियों पर सुखना की तारीख से

30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाइ में समाप्त होती है, के भीतर त्रुटीन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गणनीय में लिखद किसी प्रति अवक्त द्वारा ग्राहकस्वाक्षर के पास निश्चित म दिया जा सकेंगे।

प्राप्तिकरण—इसमें प्रमुख जरूरी और पश्च वा. जा आदत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभासित है, जहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

सकान नं. 521 का परिवारी भाव रामनगर, गाजियाबाद

प्रत्येक 16-1-84

गोदाव :

Ref. No. M-1306/82.—Whereas I, P.N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 9527 as per Schedule situated at Ram Nagar, Ghaziabad as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 7-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section

269-D of the said Act to the following persons namely :—

1. Smt. Alka Chaudhry W/o Sri Gulzar Singh R/o Gharbara, Teh. Khair Distt. Aligarh. Transferor
2. Smt. Neelam Koda W/o Shri Narendra Mohan Koda R/o 524, Ram Nagar, Ghaziabad. Transferee
3. -do- (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 524, Western Part Ram Nagar, Ghaziabad.

Dated : 16-1-84

Seal :

निर्देश नं. एम-521, 82—प्रति भृष्ट प्रत्यक्ष अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस एके प्रत्यानु उत्तर अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-D के अन्तर्न वस्त्र ग्राहकी को यह विकास करने का कारण है कि भारत गणराज्य के द्वारा भाजार मूल्य 25,000 रु. मे मधिक है और जिसको ₹ 15040 है तथा जो लगकार्य, आगरा मे स्थित है (ओर उसे उत्तर अनुभूति मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) जिसमेंकी विवरी के कार्यालय आगरा मे, गजियाबाद अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-4-83 को पुस्तक गणनीय के उत्तर दाता मूल्य मे कम के दृष्यमान पत्रिकल के लिए अन्तर्नित की गई है और मूल्य वह विकास करने का कारण है कि नवायूवंशिस मध्यमि वा उत्तर दाता मूल्य उत्तर दृष्यमान पत्रिकल है, ऐसे दृष्यमान पत्रिकल के लिए प्रतिनिधि ने मालिक है आगरा प्रत्यक्ष (अन्तर्नित, चार वर्षांति (एन्टीवर्स्टी) व बात ऐसे अन्तर्नित के लिए नहीं पाया गया प्रतिक्षिप्त, प्रतिविवेत उत्तरांग मे वक्तव्य अन्तर्नित मे वापर्यक दा मे किए नहीं किया गया।

(क) अन्तर्नित मे हृष्ट किसी भारती आवक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्नित कर देने के अन्तर्क के शायद ये एकी लग्ने वा उभय वक्तव्य न अविभाजित लिये जाएंगा।

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोगजार्थे अन्तरिती हार इकट्ठ नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, किन्तु मूविधा के लिए।

प्रत्येक उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवैत्ति :—

1. श्री कुंवर सूरज गांव यिह
पुत्र श्री कुंवर प्रबल प्रताप सिंह, निवासी 23/282,
बजीर पुरा, आगरा.....(प्रत्यक्ष)
2. श्री सत्यपाल यिह, सचिव
चेतना सहकारी आवास समिति निः, आगरा.....(प्रत्यक्षी)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी सूरज पाल यिह, आदि (वह अस्ति, जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय पुरुष करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री अवधि बाद में गमाल होती है, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्दु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गए हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उम्म प्रधाय में दिया गया है।

मनुसूची

अभीन अंक नं० 23/17 बांके मीजा, लालकर पुरा, आगरा

तारिख : 16-1-84

मांहर

Ref. No. M-824/82.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 15040, as per schedule situated at Lashkarpur, Agra as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 4-4-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Kunwar Surajpal Singh S/o Kanwar Prabal Pratap Singh R/o 23 282, Wazirpura, Agra
..... Transferee
2. Shri Satya Pal Singh, Secretary M/s. Chetna Sahkari Avas Samiti Ltd., Agra.
..... (Transferor)
3. As in (1) above (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land No. 23/17 A Village Lashkarpur, Distt. Agra.

Dated : 16-1-1984.

Seal

निवेद नं० के०-168/के० एन पी/83-84 :—यन् सुझी पी. पन० पाठ्य, आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-B के अधीन सम्पत्ति प्राप्तिकारी का यह विषयाय करने का कानून है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक होती है तथा उन्हें अनुसूची में शीर्ष पूँजी स्वरूप में वर्णित है, जिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रयोग तारीख 5-4-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और सुधूर यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल वे, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल के गढ़ प्रतिनिधित्व में अधिक हैं और प्रत्यक्ष (अन्तर्का) और प्रत्यक्षीता (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक स्वरूप से कठिन नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राह्य की बाबत, आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कर्मी करने या उम्मेदवाने में गुविता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी ग्राह्य या किसी घन या अन्य अस्तित्वों की जिन्हें भारतीय आकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या भ्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसाथ अन्तर्भूत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए और, छिपाने में गुविता के लिए

यन् प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-B की उपचारा (1) के अक्षेत्र निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मर्सर्ज आनोक मर्जिल एन्ड प्रेसाईट प्रोडक्ट्स, 32/131, मर्नीराम दगिया, कानपुर। (अन्तर्गत)
2. मैर्गर मंती सरिल उद्योग, 26/109-वी, बीरहना रोड, कानपुर। (अन्तर्गत)
3. मैर्गर आनोक मर्जिल उद्योग "32/131, मर्नीराम दगिया, कानपुर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभेद में सम्पत्ति है)

को यह युक्तना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वायित्वाद्वयों शुद्ध करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के वस्त्रव में कोई भी आक्षेत्र है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रवधि, दो नम्बरान्वयी व्यक्तियों पर युक्तना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताहृ जिसी ग्राह्य व्यक्ति द्वारा अंग्रेजीभाषी के पास निखिल में किए जा रहें।

एकांकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिवर्तनी है, वही अर्थ होगा जो उन अप्राप्य में दिया गया है।

जटिलता :—

स्थान नं० वी-28, परमो इन्डस्ट्रीजल एरिया, बांडू वै० १, कानपुर।

तारीख : 16-1-1983
संहार।

Ref. No. K-168|KNP 83-84.—Whereas I, P.N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 6189 situated at Kanpur (Panaki) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-4-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Alok Surgical and Allied Products, 32/131, Bagia Mani Ram, Kanpur.

(Transferor)

2. M/s. Moti Surgical Udyog P. Ltd. 26.109 B, Birhona Road, Kanpur.

(Transferee)

3. As in (1) above

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. G-28 Panki Industrial Area, Site No. I, Kanpur.

Dated : 16-1-84

Seal

कानपुर, 12 जनवरी, 1984।

लिंगम् नं० एम/1305/82—अन्. मुख्य पौ० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उत्तर प्रदीप' कहा गया है) की धारा 269-B के अधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विवाद करने का बारण है कि स्थान पर स्थिति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हो और जिसकी मूल्य 9466 है तथा जो गारियाबाद में स्थित है (धीर इसमें उपचर अनुमूल्य में छोड़ दूर्घाट से बचत है), जिसमें स्थिति के कार्यालय गारियाबाद में, रजिस्ट्रेशन संघिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं० 7-1-83 का पर्याप्त गमनि के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव प्रतिफल के लिए अन्वेषण की गई है और मुख्य यह विवाद करने का कारण है कि यथावृत्ति गमनि का उचित वाजार मूल्य, इसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल के पद्धति प्रतिवेदन से अधिक है और अन्तर्क (प्रत्यक्ष) और ग्रन्तियां (प्रत्यक्षित्यां) के बीच ऐसे अन्वेषण के लिए तथा यहां प्राप्त गमनि उपर्योग से युक्त अन्वेषण, विविध मास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है।

- (क) अन्वेषण से हुई किसी आय की बावजूद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के अधिकार में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए दौरा; और
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आमियों की किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा प्राप्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा प्राप्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्वित होना प्राप्त नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-B के प्रयोजन में उत्तर प्रदीप की धारा 269-B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. अमान्ति गुप्तपत्रों बहुल, पत्रों और त्रैम दूष बहुल, जिनमें पृ-62, एफैल्स कार्डोनी, नपी दिल्ली (प्रकार)

2. मूल दस्तावेज़ तिर, 37-मैर्ज निकंत साउन्ट ईंटी चर्च गोड, शाहजहां अमूर्दा (प्रत्यक्षित्यां)

3. अन्तरिक (वह अधिक जिसके प्रधिभाग में समान है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गमनि के प्रज्ञन के लिए कामवाहिया गृह करना है।

उत्तर सम्पत्ति के अधीन के गम्बर्थ में कोई भी आधार —

(क) इस सूचना के गम्बर्थ में प्रकाशन की तारीख ग 15 दिन की प्रवधि, या तस्वीरधी अक्षियों पर सूचना यी नामाल गे 30 दिन को अवधि, जो सी अवधि बाद में समाप्त होती है के नीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षिये के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के गम्बर्थ में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के नीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिनद्वाद निर्मा प्रथ्य अव्यवहार होगा प्रधानहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अप्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) के प्रधाय 20 के नीतर आपूर्त है, वही अर्थ देंगा जो उन प्रधाय में दिया गया है।

भनुसूर्ण

कृपि भूमि 20 बीघा पुनरा, स्थित शास्त्रा नं० 656 प्राय-डमना, पराना-डमना, तत्त्वोल व जिला-गाजियाबाद।

मार्गदर्शक : 12-1-84

मार्ग

Kanpur, the 12th January, 1984

Ref. No. M/1305/82.—Whereas, I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 9466 situated at Ghaziabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 7-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the

purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Pushpa Wati Bahal W/o Shri Prem Nath Bahal, R/o. A-62, New Friends Colony, New Delhi.
(Transferor)
2. M/s. Tondon Consultancy Ltd. 37-Merry Niketan, Mount Merry Church Road Bandra, Bombay.
(Transferee)
3. M/s. -do-
(Persons in occupation
of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land 20 Bighas Pukhta situated in Khata No. 656, of village Dasna, Pargana Dasna, Tehsil & Distt. Ghaziabad.

Dated : 12-1-84

Seal :

कानपुर, 13 जनवरी, 1984

निर्देश नं. एम 1309/82.—श्रवा: मृजे पीलगढ़ पालक, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमके पालक उक्त अधिनियम कहा जाता है) की आरा 260ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को इह नियाम करने का कारण है कि न्यावर सम्पत्ति जिगता उद्धित वाजार मूल्य 25,000/- में अधिक है और जिसकी सं. 1815 है जो भी इसी वर्ष से बिल्ड है (आरा इससे उपावधि अनुमति दें और उर्जा का से बिल्ड है), ग्रिस्ट्रीकर्मी प्रविकारी के कार्यालय मधुगंगा ने, रजिस्ट्रार करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान शार्टिंग 14-1-83 की प्रारंभित वर्तमान से उक्त वाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण

प्रतिक्रिया के लिए अलगाव की गई है और मैंने यह विवरण उन्हें कर लाया है कि यथापूर्वक भर्ती का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्टिकोण वर्तमान से ऐसे दृष्टिकोण परिवर्तन के पद्धति अंतिम तथा साधित है और यसका (यन्त्रपक्षों) और अन्तिमी (अन्तर्वित्यम्) का बोल्ड ऐसे प्रत्यरूप के लिए जो पापा भवा भवा प्रतिक्रिया, नियन्त्रित उद्देश्यों से प्रत्या अन्तर्वर्ण, नियन्त्रित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अलगाव में दृष्टि किसी आग की वावन, प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत दायित्व में कमी वर्तमान वर्तमान में मूल्यांकन के लिए आवश्यक

(ख) ऐसे किसी आप या विसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयतन अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोषनाम अन्तिमी वारा प्रकट नहीं किया गया था या इस्या जाना चाहिए, या इस्याने में मूल्यांकन के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की आरा 269 के अनुग्रह में, मैंने उक्त अधिनियम की वारा 260ख की आरा (1) के अधीन, नियन्त्रित वर्तमानों; अधीन :—

1. ग्रामीण खेल नन्द भागी लाल गवर पुरा थक्कायन (अलगर)
2. थी अद्व भान गर्द नपुर रमन वारा किरणी वाने मन्दी गमगारी गमावन मधुगंगा (अन्तर्वित)
3. थी/श्रामिक/कुमारी अन्तर्वित, जिसके अधिकारी में वर्तमान है

उन ग्रामीण वर्तमान जागी करके पुर्वानि सम्पादिक के यज्ञन के लिए कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त ग्रामीण के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस मूल्यांकन के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या नलगामी अधिनियम पर मूल्यांकन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में गमान होती है, के भीतर पुर्वानि अधिकारी में से किसी अधिक के हाथ में

(ख) इस मूल्यांकन के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य अधिकारी वारा अशोहस्त्राकारी के पास प्रिवेट में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तमानों का, जो प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमति

मकान-ईम्पोशर नगर 1930-मधुगंगा

ना. 13-1-84

मोहर :

Kanpur, the 13th January, 1984

Ref. No. M-1309/82.—Whereas I, P. N. Pathai being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 1815 situated at Mathura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 10-4-83 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S|Shri Swami Khem Chand S/o Munni Lal, Patharpura, Mathura.
(Transferor)
2. S|Shri Chandra Bhan Garg S/o Raman Lal Karachi wale, Mandi Ram Gali Ram Pal, Mathura.
(Transferee)
3. S|Shri —do—
(Persons in occupation
of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1950, Dapiar Nagar, Mathura.

Date 13-1-84

Seal:

निदेश नं० एम-1370/82-83 :—अन् मुख्य पीलान० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हाग्वे पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ज के अधीन गतम प्राधिकारी का यह विवाद करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000रु० से अधिक है और जिसकी मं० 104 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमती में भी पूर्ण हा० में वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय देहरादून में, जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-4-83 को प्रक्रियन यापन के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए, अन्तर्मित की गई है और मूले यह विवाद करने का कारण है कि प्रथापूर्वीकरण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तर्दिति (अन्तर्दितियाँ) के बीच ऐसे अन्तर्गत के लिए तब पाया गया प्रतिफल, विवादिति उद्देश्य से युक्त अन्तर, निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नही० किया गया है :—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की आवश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुकृति के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनियों की जिन्हें भागीदार आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्दिति द्वारा प्रकट नही० किया गया या या किया जाना आविष्या था, छिपाने में सुकृति के लिए।

अतः शब्द उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमत्तण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ज की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवितरों अर्थात् :—

1. ओ० श्रीरेण्ड्र कुमार शरोदा सुपुत्र भानुमान शरोदा, 59-सी राजपुर रोड, देहरादून
(अन्तरक)
2. डॉ० अशोक कुमार गुप्ता सुपुत्र नम्बर लाल, 25-राजा राई, देहरादून
(अन्तर्दिति)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी शलस्त्री (यह अवितर, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आगे करने पर्याप्त सम्पत्ति के द्वारा कार्यालयों युक्त करना है।

उक्त सम्पत्ति के अवितर के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नतमस्तक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि याद में समाप्त होती है, तो भीतर प्रदोषक व्यक्तियों में से विसी अवितर के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि उक्त स्थावर गणराज्य में हितयद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोत्तस्तानी के पार लिखित में किए जा सकें।

इस्तेन्दुलग्न — इस प्रयुक्त शब्दों से योग्य होने का, जो आवश्यक अधिकारी ने, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के मुद्रितानि हैं, वही अवृत्तिगत जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

मकान नं. 28, गजरांड, डेहरादून।

प.० एम० पाठ्य०

मकान प्राधिकारी,

(महायक आवश्यक आवृत्ति, निरीक्षण),

(अजेन्ट रेज.) कानपुर

तारीख 13-1-84

मान्यता :

Ref. No. H-1379/82-83.—Whereas I, P.N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 104, situated at Dehradun. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for

the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Virendra Kumar Arora, C/o. Bhana Mal Arora 59-C Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

2. Dr. Ashok Kumar Gupta, S/o Nand Lal, R/o. 28 Raja Road, Dehradun.

(Transferee)

3. Shri -do-

(Persons in occupation
of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 28, Raja Road, Dehradun.

P. N. PATHAK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range,
Kanpur

Date 13-1-84

Seal

